>

Title: Regarding alleged irregularities in laying sewer lines under JNNURM in Agra Parliamentary Constituency.

प्रो. रामशंकर (आगरा): मैं आगरा लोकसभा क्षेत्र से आता हूं। आगरा में कई प्रकार की समस्याएं हैं, पानी, यातायात की समस्या है। भारत सरकार की तरफ से जेएनएनयूआरएम के अंतर्गत सीवर लाइन के लिए लगभग डेढ़ से दो हजार करोड़ रुपया दिया गया। पांच साल हो गए, पूरे शहर की खुदाई हो गई लेकिन मानक के अनुरूप कोई काम नहीं हुआ है। जब यह सीवर लाइन डाली जा रही थी और जिस तरह के टूटे और घटिया पाइप डाले जा रहे थे इसे लेकर शहर की जनता लगातार चिल्ला रही थी। पांच साल पूरे हो गए हैं, पूरे शहर की खुदाई कर डाली है लेकिन कोई भी सीवर लाइन आज तक चालू नहीं हुई है। सीवर लाइन तब तक चालू हो ही नहीं हो सकती है जब तक वह प्रापर मेन लाइन से न जोड़ी जाए। ठेकेदार ने छोटे ठेकेदारों को काम बांट दिया है। मैंने प्रशासनिक स्तर पर कई बार लिखकर दिया है। कोई मानिटिरिंग कमेटी नहीं है। टेंडर में स्पष्ट है कि जल निगम जिन सड़कों की सीवर लाइन डालने के लिए खुदाई करेगा यथावत सड़कों को बनाएगा। आज यह स्थिति बन गई है कि जो सड़कें खोदी गई हैं वहां एक भी सड़क नहीं बनाई गई है। एक किलोमीटर सड़क बनाने के नाम पर डेढ़ करोड़ रुपए वसूले गए और विभाग ने ही हमें पेपर उपलब्ध कराए हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि यह महत्व का विषय नहीं है कि इसमें कितना घोटाला हुआ है बल्कि महत्व का विषय यह है कि पूरे शहर में सीवर लाइन डाली गई, एक से डेढ़ फुट के मेन होल बनाए गए जिसके कारण सड़कें कच्ची कर दी गई। आपको यह भी जानकारी होगी कि आगरा शहर में 50,000-60,000 देशी और विदेशी पर्यटक रोज आते हैं। जो पूरे दिन जाम में फंसा रहता है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से निवदेन करना चाहता हूँ कि मेरे द्वारा इतना लिखने के बाद भी कुछ नहीं हुआ है। मैंने शहरी विकास मंत्रालय को भी लिखा है। मैंने स्थायी समिति को भी लिखा है। मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी को भी लिखा है कि यह शहर नर्क हो जाएगा। यदि पूरी तरह से उसका भौतिक सत्यापन नहीं किया गया तो यह शहर पूरी तरह नर्क हो जाएगा। आने वाला टूरिस्ट परेशान हो जाएगा।

मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि ये जो डेढ़-दो हज़ार करोड़ रूपये दिए गए हैं और जल निगम ने वहां पर सीवर लाइन डाली है, जिससे पूरे शहर की सड़कों को खोदा है, धूल से बीमारियां हो रही हैं, लोग निकलते हुए सीवर में गिर जाते हैं, उसकी जांच होनी चाहिए।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूँ, मैं माननीय प्रधानमंत्री जी से मांग करता हूँ एवं मैं शहरी विकास मंत्री जी से भी मांग करता हूँ कि इस बड़े घोटाले का भौतिक सत्यापन करा कर सीबीआई अथवा किसी बड़ी एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिससे यह आगरा शहर नर्क से बच जाए। यहां रोज 50-60 हज़ार पर्यटक आते हैं, वे फंस जाएंगे।

मान्यवर, आपको जानकारी होगी कि दो महीने पहले माननीय शरद पवार जी वहां दो घंटे जाम में फंसे रहे। इसलिए मेरी मांग है कि इसकी प्रॉपर जांच कराई जाए। मैं बहुत पत्र लिख चुका हूँ। मुझे आश्चर्य है कि इतने महत्वपूर्ण शहर के लिए अभी तक कोई जांच नहीं कराई गई।

मैं आपके माध्यम से यह चाहता हूँ कि इसमें प्रॉपर जांच हो और दोषियों को सजा मिले।